* M A P - 0 0 9 - 0 0 1 6 2 4 - 5 0 - 2 *

MAP-009-001624 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April - 2018

Hindi : HIN-603

(Core-20) (New Course)

Faculty Code : 009
Subject Code : 001624

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ हिन्दी साहित्य में सतसई परंपरा का परिचय देते हुए उसमें 'बिहारी सतसई' का स्थान निर्धारित कीजिए । १५

अथवा

१ 'बिहारी सतसई' में व्यक्त शृंगार की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

२ मीराँबाई की रचनाओं का परिचय दीजिए । १५

अथवा

२ मीराँबाई की पदावली के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''माई साँवरे रँग राँची ।
साज सिंगार बाँध पग घूँघर, लोकलाज तज णाँची ।
गयाँ कुमत लयाँ साधाँ संगत स्याम प्रीत जग साँची ।''

(२) ''मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।
जा तन की झाँई परै स्याम हरित–दुति होइ ।''

(३) ''पग बाँध घूँघरयाँ णाच्याँ री ।
लोग कहयाँ मीरा बावरी, सासु कहयाँ कुलनासी री ।
विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीराँ हाँसाँ री ।''

(४) ''भूषण भारूहु संभारि है क्यों इहि तन सुकुमार ।
सूधे पाइ न घर परैं सोभा ही के भार ।''

(५) ''मण थें परस हरि रे चरण ।
सुभग सीतल कँवल, कोमल, जगत ज्वाला हरण ।
जिण चरण प्रहलाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण ।
जिण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण ।''

४ एक सफल मुक्तककार के रूप में बिहारी की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

४ मीराँबाई की रचनाओं में संत संप्रदाय की बहुत सी विशेषताएँ दीखाई पड़ती है । स्पष्ट कीजिए । १५

५ भक्तिकाल की समसामयिक स्थिति पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ बिहारी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १०